



Maharaja Surajmal Brij University

Bharatpur (Raj.)

SYLLABUS

B.A. MUSIC

PAPER I, II & III

Only For Session
2020-21

Session 2021-22

Signature
अकादमिक प्रभारी
महाराजा सुरजमल बृज विश्वविद्यालय
भरतपुर / राज.

B.A. Part I
Syllabus-Music

	Duration	Marks
Paper-I	3 hours	40
Paper-II	3 hours	40
		120

Paper-I

Section-A

- (i) परिभाषाएँ : नाद, श्रुति, स्वर, सप्तकथाट, राग, मुखडा, स्थायी, अन्तरा, वादी, संवादी, अनुवादी, विवादी, ताल, लय, माना सम, खाली, आवर्तन, ठेका, आलाप, तान, बोल-आलाप, बोल-तान, सरगम, तिहाई, मसीतखानी व रजाखानी गत।
- (ii) प्रायोगिक पाठ्यक्रम में निर्धारित रागों का विस्तृत अध्ययन, स्वर संगतियाँ एवं आलाप द्वारा विस्तार।

Section-B

- (i) हिन्दुस्तानी संगीत के महत्वपूर्ण एवम् आधारभूत नियम।
- (ii) निम्नलिखित तालों की ठाह, दुगुन, तिगुन एवं चौगुन में लेखन।
एकताल, चौताल कहरवा व दादरा।

Section-C

- (i) प्रायोगिक पाठ्यक्रम में निर्धारित रागों में बंदिशों की स्वरलिपि का लेखन।

Paper-II

Section-A

- (i) परिभाषाएँ— ग्राम, मूर्च्छना, राग लक्षण, नाथदा, गायक, कलावंत व गंधर्व, आदत, जिगर, हिसाब, गमक के प्रकार व तान।
- (ii) पं. विष्णु नारायण भातखण्डे स्वरलिपि की विस्तृत जानकारी।

Section-B

- (i) संगीतकारों की जीवनियाँ—स्वामी हरिदास, अमीर खुसरो, तानसेन, अहोबल व व्यंकटमखी।
- (ii) अठारहवीं शताब्दी में संगीत में हुई प्रगति का सामान्य अध्ययन।

Section-C

- (i) निम्नलिखित वाद्यों का वर्णन :
तानपुरा, तबला

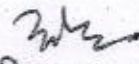
- (ii) निम्नलिखित नृत्यों का वर्णन :
कथक, भरतनाट्यम

प्रायोगिक

- (i) इस वर्ष के प्रायोगिक पाठ्यक्रम के रागों के धाटों में से किन्हीं 10 अलंकारों का अभ्यास।
- (ii) रागों की स्वर संगतियाँ पहचानकर उस राग को गाना।
- (iii) निम्नलिखित रागों का आरोहावरोह, पकड़ व स्वरविस्तार
भूपाली यमन, बागेश्री, केदार, हमीर, व भीमपलासी।
- (iv) उपरोक्त बिन्दु क. (iii) में निर्धारित किन्हीं तीन रागों में एक बड़ा ख्याल व एक छोटा ख्याल (आलाप-तान सहित)
- (v) बिन्दु क. (iv) में चयनित रागों के अतिरिक्त किन्हीं दो रागों में एक छोटा ख्याल, गायकी सहित या तराना।
- (vi) बिन्दु क. (iii) में निर्धारित किन्हीं एक राग में एक ध्रुपद (दुगुन, तिगुन, चौगुन) व एक धमार (दुगुन, चौगुन सहित)
- (vii) निम्नलिखित तालों का हाथ से ताली देकर ठाह, दुगुन व चौगुन में प्रदर्शन, तिलवाडा, एकताल, चौताल, कहरवा व दादरा।
- (viii) पाठ्यक्रम की रागों में से सुगम शास्त्रीय रचनाएँ अथवा भजन।

Only For Session
2020-21

Session 2021-22


अकादमिक प्रभारी
महाराजा सूरजमल बृज विश्वविद्यालय
भरतपुर (राज.)

**B.A. Part II
Syllabus-Music**

	Duration	Marks
Paper-I	3 hours	40
Paper-II	3 hours	40
		120

Paper-I

Section-A

- (i) भरत और पं. भातखण्डे के अनुसार श्रुति व स्वर स्थान ।
- (ii) पं. अहोबल व पं. भातखण्डे के अनुसार वीणा के तार पर शुद्ध स्वरों की स्थापना ।

Section-B

- (i) लयकारी—दुगुन, तिगुन, चौगुन व छहगुन ।
- (ii) निम्नलिखित तालों का ठाह, दुगुन, तिगुन व चौगुन में लेखन ।
धमार, तिलवाड़ा, एकताल, चौताल, रूपक, पंजाबी, सूलताल ।
- (iii) प्रायोगिक पाठ्यक्रम में निर्धारित रागों का विस्तृत अध्ययन, स्वर-संगतियाँ एवं आलाप द्वारा विस्तार ।

Section-C

- (i) प्रायोगिक पाठ्यक्रम में निर्धारित रागों में बंदिशों की स्वरलिपि का लेखन ।
- (ii) दी गई स्वर संगतियों से राग पहचानकर न्यास स्वर दर्शाते हुए आलाप—तान लेखन ।

Paper-II

Section-A

- (i) ग्राम एवं मूर्च्छना का अध्ययन ।
- (ii) मेजर व माइनर स्वर सप्तक ।
- (iii) उन्नीसवीं व बीसवीं शताब्दी के भारतीय संगीत का इतिहास ।

Section-B

- (i) राग—रागिनी पद्धति के अनुसार रागों का वर्गीकरण ।
- (ii) निम्नलिखित संगीतज्ञों की जीवनी—
उ० अलाउद्दीन खाँ, उ० अमीर खाँ, केसरबाई केरकर, पं. ओंकारनाथ ठाकुर ।

Section-C

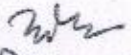
- (i) मेल व अन्य राग सिद्धान्त पं. भातखण्डे के दस थाट एवं भारतीय स्वरों के अनुसार बत्तीस थाट ।
- (ii) निम्नलिखित वाद्यों का परिचय विवरण व उपयोग—
पखावज, वीणा, दिलरूबा व बाँसुरी ।
- (iii) सांगीतिक विषय पर निबंध ।

प्रायोगिक

- (i) रागों की स्वर संगतियाँ पहचानकर उस राग को गाना ।
- (ii) स्वर विस्तार द्वारा रागों का तुलनात्मक अध्ययन ।
- (iii) निम्नलिखित रागों का आरोहावरोह, पकड़ व स्वरविस्तार—
रामकली, बहार, तिलककामोद, जयजयवन्ती, मालकौंस, भैरव व खमाज ।
- (iv) उपरोक्त बिन्दु क. (iii) में निर्धारित किन्हीं तीन रागों में एक बड़ा ख्याल व एक छोटा ख्याल (आलाप—तान सहित)
- (v) बिन्दु क. (iv) में चयनित रागों के अतिरिक्त किन्हीं दो रागों में एक छोटा ख्याल, गायकी सहित अथवा तराना ।
- (vi) बिन्दु क. (iii) में निर्धारित किन्हीं एक राग में एक ध्रुपद एवं एक धमार (दुगुन, तिगुन, चौगुन सहित)
- (vii) निम्नलिखित तालों का हाथ से ताली देकर ठाह, दुगुन व चौगुन में प्रदर्शन—धमार, तिलवाड़ा, एकताल, चौताल, रूपक, झूमरा व तीव्रा ।
- (viii) एक तराना, भजन अथवा चतुरंग ।

Only For Session
2020-21

Session 2021-22


अकादमिक प्रभारी
महाराजा सूरजमल बूज विश्वविद्यालय
भरतपुर (राज.)-

6

**B.A. Part III
Syllabus-Music**

	Duration	Marks
Paper-I	3 hours	40
Paper-II	3 hours	40
		120

Paper-I

Section-A

- (i) राग व रस
- (ii) गायन व वादन के घरानों का तुलनात्मक अध्ययन।

Section-B

- (i) निम्नलिखित संगीतज्ञों की जीवनी—उ. अब्दुल करीम खाँ, उ. बिस्मिल्ला खाँ, पं. रविशंकर, उ. बड़े गुलाम अली खाँ।
- (ii) राजस्थान के लोक वाद्य।
- (iii) भारतीय संगीत के विविध रूपों का वर्णन

Section-C

- (i) प्रायोगिक पाठ्यक्रम में निर्धारित रागों में स्वर—ताल लिपि लेखन।
- (ii) निम्नलिखित तालों को ठाह, दुगुन, तिगुन व चौगुन में लिखना—
तिलवाड़ा, धमार, त्रिताल, झपताल, एकताल, चौताल, रूद्रताल, दादरा, पंजाबी, सूलताल, झूमरा, तीव्रा, दीपचंदी।

Paper-II

Section-A

- (i) संगीत की उत्पत्ति विषयक विभिन्न मत।
- (ii) संगीत के क्षेत्र में मतंग, भरत, शारंगदेव, पलुस्कर, भातखण्डे के कार्य

Section-B

- (i) वैदिक संगीत के विभिन्न रूपों का सामान्य ज्ञान।
- (ii) गीति व वाणी का सामान्य ज्ञान।

Section-C

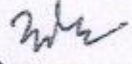
- (i) हारमोनी एवं मेलोडी का अध्ययन।
- (ii) संगीत विषयक निबन्ध।

प्रायोगिक

- (i) रागों के गाये हुए टुकड़े को पहचानना व उस राग को गाना।
- (ii) स्वर विस्तार द्वारा रागों का तुलनात्मक अध्ययन।
- (iii) निम्नलिखित रागों का आरोहावरोह, पकड़ व स्वरविस्तार—
दरबारी, कान्हड़ा, पूरियाधनाश्री, तोड़ी, पूरिया, जौनपुरी, काफी, सोहनी, बिहाग, कामोद व छायानट।
- (iv) उपरोक्त बिन्दु क. (iii) में निर्धारित किन्हीं तीन रागों में एक बड़ा ख्याल व एक छोटा ख्याल (आलाप-तान सहित)
- (v) बिन्दु क. (iv) में चयनित रागों के अतिरिक्त किन्हीं तीन रागों में एक छोटा ख्याल, गायकी सहित अथवा तराना।
- (vi) बिन्दु क. (iii) में निर्धारित किसी एक राग में एक ध्रुपद एवं एक धमार (दुगुन, तिगुन, चौगुन सहित)
- (vii) निम्नलिखित तालों का हाथ से ताली देकर ठाह, दुगुन व चौगुन में प्रदर्शन—तिलवाड़ा, धमार, त्रिताल, झपताल, एकताल, चौताल, दादरा, पंजाबी, सूलताल, झूमरा, तीव्रा, दीपचंदी
- (viii) किसी एक राग में भजन अथवा उपशास्त्रीय रचना।

Only For Session
2020-21

Session 2021-22


अकादमिक प्रभारी
महाराजा सूरजमल बृज विश्वविद्यालय
भरतपुर (राज.)